भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 264
उत्तर देने की तारीख 27 नवम्बर, 2024

उपग्रह संचार में सुधार

264. **श्री पी. पी. चौधरी:**
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्रीमती कृति देवी देबबर्मन:
डॉ. विनोद कुमार बिंद:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उपग्रह संचार में सुधार शुरू किए हैं, विशेष रूप से मूविंग प्लेटफार्मों पर उपयोगकर्ता टर्मिनल स्टेशनों के संबंध में, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इन सुधारों के माध्यम से नागरिकों के लिए उपग्रह-आधारित सेवाओं की पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं;
(ग) इन सुधारों के कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है;
(घ) कितने सेवा प्रदाताओं ने गतिशील प्लेटफार्मों पर उपग्रह आधारित सेवाएं प्रदान करने में रुचि दिखाई है; और
(ङ) क्या सरकार ने इन सुधारों के माध्यम से उपग्रह आधारित सेवाओं के कवरेज विस्तार और मूल्य में कमी के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है साथ ही इस संबंध में स्थापित किए गये निगरानी तंत्र का ब्यौरा दें?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) दूरसंचार विभाग ने सेटेलाइट संचार सुधार-2022 के भाग के रूप में दिनांक 06.05.2022 को जारी किए गए एकीकृत लाइसेंस में संशोधन के माध्यम से उसमें उल्लिखित संबंधित दूरसंचार इंजीनियरिंग सेन्टर (टीईसी) मानक (मानकों) और शर्तों के अनुपालन के अधीन सेटेलाइट आधारित

कनेक्टिविटी का प्रावधान करने के लिए गतिशील प्लेटफार्मों पर उपयोगकर्ता टर्मिनल स्टेशनों की अनुमति दी है।

(ख) सेटेलाइट संचार सुधार-2022 ने ईज ऑफ डूईंग बिजनेस को सुसाध्य बनाया है, "एकल जांच कार्यप्रवाह" के कार्यान्वयन सहित अनेक प्रक्रियाओं को सरल बनाया है और विभिन्न प्रभारों को तर्कसंगत बनाया है। हाल ही के अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों ने गैर-सरकारी संस्थाओं को सेटेलाइट आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सेटेलाइट प्रणालियों के निर्माण/पट्टे, स्वामित्व और प्रचालन में बड़े स्तर पर भागीदारी करने में सक्षम बनाया है। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिकों के लिए सेटेलाइट आधारित सेवाओं की सुलभता और उनकी वहनीयता को बढ़ाना है।

(ग) सेटेलाइट संचार सुधार-2022 को पहले ही कार्यान्वित कर दिया गया है।

(घ) सेटेलाइट आधारित संचार सेवा प्रदाता नामत: क्लाउडकास्ट डिजिटल लिमिटेड और ह्यूएस कम्यूनिकेशंस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ने गतिशील प्लेटफार्मों पर सेटेलाइट आधारित संचार सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी ली है।

(ङ) दूरसंचार विभाग के सेटेलाइट संचार सुधार-2022 ने विनियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाया है और लाइसेंसधारकों पर वित्तीय प्रभारों को कम किया है। हाल ही के अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों के परिणामस्वरूप अनेक सेटेलाइट प्रचालकों ने रुचि दिखाई है और भारत में सेटेलाइट संचार उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकार हेतु आवेदन किया है। यह परिकल्पना की गई है कि अधिक कंपनियों के होने से और अधिक सेटेलाइट क्षमता उपलब्ध होगी और इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के परिणामस्वरूप ग्रामीण तथा दूर-दराज के क्षेत्रों में कवरेज में विस्तार होने के साथ ही बेहतर गुणवत्ता वाली और वहनीय सेवाएं प्राप्त होंगी।

*****